भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4253

दिनांक 19 अगस्त, 2025

सतत् कृषि में जीनोम संवर्धित चावल का प्रभाव

4253. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी :

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत ने हाल ही में दुनिया की पहली जीनोम संवर्धित चावल की किस्में जारी की हैं;

(ख) डीआरआर धान 100 (कमला) और पूसा डीएसटी चावल 1 की दो किस्में किस प्रकार सतत् कृषि में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं;

(ग) उपरोक्त किस्मों से प्राप्त धान के अतिरिक्त उत्पादन का ब्यौरा क्या है, प्रति हेक्टेयर जल की कितनी मात्रा की बचत की जा सकती है और नई किस्में किस प्रकार जलवायु-अनुकूल हैं, और

(घ) क्या उपरोक्त किस्में केवल आंध्र प्रदेश सहित चुनिंदा राज्यों के लिए उपयुक्त हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री

(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख) : जी, हां। चावल की किस्म सांबा महसुरी की तुलना में जीनोम एडीटिड किस्म डीआरआर धान 100 (कमला) 20-25% अधिक दाना उपज देती है और 20 से 25 दिन पूर्व पककर तैयार हो जाती है। यह किस्म उर्वरकों की 50% संस्तुत खुराक में भी अच्छा प्रदर्शन करती है। इसी प्रकार, पूसा राइस डीएसटी 1 किस्म में तटवर्ती और अंतर्स्थलीय लवणता के प्रति मजबूत सहिष्णुता प्रदर्शित हुई है। ये दोनों किस्में जल और उर्वरकों की बचत करने में मदद करती हैं और दबावग्रस्त पारितंत्र (इकोलॉजी) में उपयुक्त हैं जो कि टिकाऊ कृषि में निर्णायक (गेम चेंजर) सिद्ध होंगी।

(ग) : नई किस्में जलवायु-अनुकूल हैं। अगेती गुण के कारण डीआरआर धान में 1-2 सिंचाई की बचत होती है और इसमें सूखे के विरूद्ध संतुलित सहिष्णुता देखी गई है। अंतर्स्थलीय लवणता, क्षारीयता तथा तटवर्ती लवणीय क्षेत्रों के अंतर्गत पूसा डीएसटी राइस 1 किस्म में मजबूत सहिष्णुता (पैतृक किस्म के मुकाबले 10-30% उपज अग्रता) प्रदर्शित हुई है।

(घ) : जी, हां। इन दोनों किस्मों की पहचान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुदुचेरी, केरल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल राज्यों के लिए की गई है।

****